ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

ECHO OF HIS CALL 1969-2019 GOLDEN JUBILEE

REACHING NATIONS

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Sis. DOROTHY S. THOMAS

Vol. XXIX YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2024 SEPTEMBER No.10

पवित्र बाइबल!
इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
भजन 56:1–10

1 हे परमेश्वर, मुझ पर अनुग्रह कर, क्योंकि मनुष्य मुझे निगलना चाहते हैं; वे दिन भर लड़कर मुझे सताते हैं।
2 मेरे द्रोही दिन भर मुझे निगलना चाहते हैं, क्योंकि जो लोग अभिमान करके मुझ से लड़ते हैं वे बहुत हैं।
3 जिस समय मुझे डर लगेगा, मैं तुझ पर भरोसा रखूँगा।
4 परमेश्वर की सहायता से मैं उसके वचन की प्रशंसा करूँगा, परमेश्वर पर मैं ने भरोसा रखा है, मैं नहीं डरूँगा। कोई प्राणी मेरा क्या कर सकता है?
5 वे दिन भर मेरे वचनों को, उलटा अर्थ लगा लगाकर मरोड़ते रहते हैं; उनकी सारी कल्पनाएँ मेरी ही बुराई करने की होती हैं।
6 वे सब मिलकर इकट्ठा होते हैं और छिपकर बैठते हैं; वे मेरे कदमों को देखते भालते हैं मानो वे मेरे प्राणों की घात में ताक लगाए बैठे हों।
७ क्या वे बुराई करके भी बच जाएँगे? हे परमेश्वर, अपने क्रोध से देश देश के लोगों को गिरा दे!
8 तू मेरे मारे मारे फिरने का हिसाब रखता है; तू मेरे आँसुओं को अपनी कुप्पी में रख ले! क्या उनकी चर्चा तेरी पुस्तक में नहीं है?
9 तब जिस समय मैं पुकारूँगा, उसी समय मेरे शत्रु उलटे फिरेंगे। यह मैं जानता हूँ कि परमेश्वर मेरी ओर है।
10 परमेश्वर की सहायता से मैं उसके वचन की प्रशंसा करूँगा, यहोवा की सहायता से मैं उसके वचन की प्रशंसा करूँगा।

अपने शापों को आशीषों में बदल दें!

(मुख्य गिरजाघर में पा. सैम एस. सेल्वाराज द्वारा दिया गया सन्देश)

... मैं ने जीवन और मरण, आशीष और शाप को तुम्हारे आगे रखा है; इसलिये तू जीवन ही को अपना ले, कि तू और तेरा वंश दोनों जीवित रहें; इसलिये अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम करो, और उसकी बात मानो, और उससे लिपटे रहो; क्योंकि तेरा जीवन और दीर्घजीवन यही है...

व्यवस्थाविवरण 30:19–20।

सभी मनुष्यों में पाई जाने वाली मूल और सामान्य समस्या यह है कि हम सभी भटक गए हैं। हमने हत्या, व्यभिचार या चोरी नहीं की होगी, लेकिन हम सभी ने एक खास काम किया है : हम सब ने अपअपना अपना मार्ग लिया हैं, परमेश्वर से मुंह मोड़ लिया है और उसके विरोध में पाप किए हैं। इब्रानी भाषा में, इस व्यवहार को 'एवन' कहा जाता है, जिसका अंग्रेजी में अनुवाद 'अधर्म' होता है। इसे आगे 'हठीला' होने के रूप में भी समझाया जा सकता है। हमारे भीतर का यह स्वभाव परमेश्वर के खिलाफ़ है। 'अधर्म' और 'हठीला' शब्द

....Contd. to page 3

एको ऑफ हिज़ कॉल — 5 मिनिट का संदेश!!

यू ट्यूब मसीही चैनल!

तुम्हें पास्टर एस. सैम सिल्वा राज के साथ प्रार्थना करने का अवसर मिलेगा!

अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल और तेलूगू

प्रतिदिन सुबह 2 बजे — तमिल रविवार सभा - सुबह 8:30 बजे

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

"उसने हमारी दुर्दशा में हमारी सुधि ली, उसकी करुणा सदा की है।"
भजन 136:23

मसीह यीशु में प्रिय भाइयों और बहनों,

हम आपको हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अद्भुत नाम से अभिवादन करते हैं। हम आपकी भलाई के लिए दिल से प्रार्थना करते हैं। प्रभु परमेश्वर ने हमारी सभी गतिविधियों को आशीष दी, जिसमें 9 से 11 अगस्त 2024 तक आयोजित हमारा 56वीं वर्षगांठ सम्मेलन भी शामिल है, जहां उसके नाम की महिमा हुई।

हमारे मुख्य चर्च में हमारे बहुत करीबी सहकर्मियों में से एक, हमारे पादरी ई. कमल सैमसन की मां, सिस्टर जेनोवा एलंगोवन ने, 29 जुलाई 2024 को महिमा में प्रवेश किया। वह मुख्य चर्च में समर्पण और कड़ी मेहनत करने वाली व्यक्ति रही हैं। कृपया उनके परिवार के सदस्यों के लिए प्रार्थना करें।

Sister Jenova Elangovan

हम भारत के दक्षिणी पश्चिमी राज्य केरल के वायनाड नामक स्थान पर भारी बाढ़ के कारण हुए भयानक आपदा, भूस्खलन से बहुत दुखी हैं। कई लोगों ने अपने प्रियजनों और साजो-सामान को खो दिया। हम विनम्रतापूर्वक दुनिया भर के अपने मित्रों से अनुरोध करते हैं कि वे पुनर्स्थापन के लिए अपना योगदान दें।

केरल भारत का पहला राज्य है जहां हमारे प्रभु यीशु मसीह के शिष्य सेंट थॉमस ने 52 ईस्वी में कदम रखा था। यहीं पर हमारे मलयालम संपादक बेंजामिन मोज़ेस, उनके सहायक मोहन कुमार और हमारी अंग्रेजी संपादक सिस्टर साजिनी चेरियन रहते हैं। सेंट थॉमस की मृत्यु चेन्नई में शहीद के रूप में हुई, यह वह शहर है जहां हमारी एको ऑफ़ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़ की स्थापना की गई है।

Ev. Benjamin Moses

Bro. Mohan Kumar

Sis. Sajini Cherian

जैसा कि आप जानते हैं, हमने एको ऑफ़ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़ के भीतर एक विशेष प्रभाग की स्थापना की है जिसे ग्लोबल विज़न फ़ॉर यूथ एंड किड केयर के नाम से जाना जाता है। हर दिन, स्थानीय समयानुसार रात ठीक 10:00 बजे, दुनिया भर में एको ऑफ़ हिज़ कॉल मिनिस्ट्रीज़ के सदस्य प्रार्थना में एकत्रित होते हैं। यह प्रार्थना संक्षिप्त लेकिन सामर्थी है : "हमारे प्रभु परमेश्वर,

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

HON. EDITOR-IN-CHIEF
Rev. Angeline S. Kumari, M.A., M.Sc., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

GENERAL MANAGER
Bro. N. Prakasam, M.A., M.Sc.(C&P), PGDHRM., MBA.

ADMINISTRATION
Sis. Jesy Veena Sam
Adv. K. Puratchivendan, M.Com., C.A., B.L.
Dr. P.E.R. Premchand, M.Sc., M.A., M.Ed., Ph.D.
Dr. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM), Ph.D.
Dr. Rabinder Boaz, M.S. (CMC)

EDITORIAL BOARD
Dr. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.
Sis. Sajini Cherian
Rev. Dr. K.R. Rajasekaran

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 98412 71858 95661 31858

E.MAIL
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com

YOUTUBE CHANNEL
Echo of His Call

कृपया प्रभु यीशु मसीह के नाम में दुनिया भर के युवा लड़कियों, लड़कों और बच्चों का ध्यान रखें। आमेन!"

आप चाहे कहीं भी हों, आपको इस प्रार्थना उपक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

इस आंदोलन ने हमारे मुख्य चर्च और सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल दोनों में, विशेष रूप से युवाओं के बीच एक उल्लेखनीय पुनरुद्धार को जन्म दिया है। हमें दुनिया भर में अपने मित्रों से कई गवाहियां मिल रही हैं। 11 अगस्त को, हमने अपने मुख्य चर्च में इन युवा व्यक्तियों के लिए एक सम्मेलन आयोजित किया। सारी महिमा और आदर हमारे प्रभु यीशु मसीह का है।

हालांकि, जैसे-जैसे हम उत्साह और समर्पण के साथ आगे बढ़ते हैं, हम चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। शैतान हमारे विविध सेवकाइयों के परिवार के सदस्यों को निशाना बना रहा है, जिससे उन्हें शारीरिक और वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है। एको ऑफ़ हिज़ कॉल सेवकाई वर्तमान में महत्वपूर्ण वित्तीय तनाव का सामना कर रही है, और हम ईमानदारी से आपकी प्रार्थनाओं का अनुरोध करते हैं। कृपया रात 10:00 बजे अपनी प्रार्थनाओं में युवाओं और बच्चों के लिए अपनी प्रार्थनाओं के अलावा, विश्वभर के एको ऑफ़ हिज़ कॉल सेवकाइयों के कार्यकर्ताओं और अगुवों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करें।

A conference hold in the Main Church

हमारा लक्ष्य दुनिया भर के सभी चर्चों में एक शक्तिशाली पुनरुद्धार के लिए प्रार्थना करना और लगन से काम करना है, जो संप्रदायों की बाधाओं को पार करता है।

हम आपको अपने दिलों में रखते हैं और आपके साथ एक करीबी संगति बढ़ाना चाहते हैं। हमसे संपर्क करने या एको ऑफ़ हिज़ कॉल के यूट्यूब चैनल पर हमारे दैनिक 5 मिनट के कार्यक्रम को सुनने के लिए स्वतंत्र महसूस करें। परमेश्वर आपको बहुतायत की आशीष दे। प्रेम और कृतज्ञता के साथ, मसीह यीशु में आपके सेवक,

प्यार और आशीर्वाद के साथ,

मसीह यीशु में आपके सेवक,
पास्टर एलेक्स सैमसन सैम
पास्टर एस. सैम सिल्वा राज

(+91) 98412 71858 / 98410 71858,
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल के पाठकों : ध्यान दें

हमारे 5 मिनिट के एको ऑफ हिज़ कॉल यूट्यूब संदेश सुबह 2 बजे तमिल, अंग्रेज़ी और हिंदी में प्रतिदिन प्रसारित किए जाते हैं। इन संदेशों को देखने से आप परमेश्वर का अनुग्रह पा सकते हैं।

इसके अलावा, आपके व्यक्तिगत मोबाइल फोन में मेरे मोबाइल क्रमांक (+91) 98410 71858, (+91)98412 71858 सेव करें।

– पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज

पृष्ठ 1 से आगे:...

इब्रानी भाषा के 'एवन' का पूरा अर्थ नहीं बताते हैं। एवन' में हमारे अधर्म और हमारी हठीली सोच के परिणाम शामिल हैं।

उदाहरण के लिए, जब कैन ने अपने भाई हाबिल को मार डाला, तो उसने प्रभु से कहा, ... "मेरा दण्ड सहने से बाहर है" उत्पत्ति 4:13। इब्रानी भाषा के 'एवन' शब्द का इस संदर्भ में 'दण्ड' के लिए इस्तेमाल किया गया है। यह शब्द कैन के अधर्म और उसके दण्ड दोनों का सुझाव देता है। विलापगीत की पुस्तक में, 'एवन' शब्द का प्रयोग चौथे अध्याय के पद 6 और 13 में इसी अर्थ में किया गया है।

मेरे लोगों की बेटी का अधर्म सदोम के पाप से भी अधिक हो गया... विलापगीत 4:6

यह उसके भविष्यद्वक्ताओं के पापों और उसके याजकों के अधर्म के कामों के कारण हुआ है; क्योंकि वे उसके बीच धर्मियों की हत्या करते आए हैं विलापगीत 4:13

आज हम कई परिवारों में परमेश्वर के कई शापों को प्रकट होते हुए देखते हैं। मसीही परिवारों में भी बहुत ज़्यादा कलह, ग़लतफ़हमी और उलझन है। अब मैं कुछ ऐसे शापों का वर्णन करूंगा जो स्वयं प्रभु परमेश्वर ने अपने अवज्ञाकारी बच्चों पर घोषित किए हैं (व्यवस्थाविवरण 28:20, 21, 22, 27, 28)।

व्यवस्थाविवरण 28:20 :**"फिर जिस जिस काम में तू हाथ लगाए, उसमें यहोवा तब तक तुझ को शाप देता, और भयातुर करता, और धमकी देता रहेगा, जब तक तू मिट न जाए, और शीघ्र नष्ट न हो जाए; यह इस कारण होगा कि तू यहोवा को त्यागकर दुष्ट काम करेगा।**

व्यवस्थाविवरण 28:21 : **और यहोवा ऐसा करेगा कि मरी तुझ में फैलकर उस समय तक लगी रहेगी, जब तक जिस भूमि के अधिकारी होने के लिये तू जा रहा है उस पर से तेरा अन्त न हो जाए।**

व्यवस्थाविवरण 28:22 : **यहोवा तुझ को क्षयरोग से, और ज्वर, और दाह, और बड़ी**

जलन से, और तलवार, और झुलस, और गेरूई से मारेगा; और ये उस समय तक तेरा पीछा किये रहेंगे, जब तक तेरा सत्यानाश न हो जाए।

व्यवस्थाविवरण 28:27 : **यहोवा तुझ को मिस्र के से फोड़े, और बवासीर, और दाद, और खुजली से ऐसा पीड़ित करेगा, कि तू चंगा न हो सकेगा।**

व्यवस्थाविवरण 28:28 : **यहोवा तुझे पागल और अंधा कर देगा, और तेरे मन को अत्यन्त घबरा देगा।**

1. शाप के चिन्ह

शाप की उपस्थिति को दर्शाने वाले चिन्हों की खोज में, कई अभिव्यक्तियाँ स्पष्ट हो जाती हैं।

1. मानसिक अवसाद :

मानसिक अवसाद की एक गहरी भावना अक्सर उन व्यक्तियों को घेर लेती है जो अपने जीवन में असफलताओं और प्रतिकूलताओं के बोझ तले दबे हुए हैं। यह भावनात्मक भार उन्हें सामान्य गतिविधियों में संलग्न होने में असमर्थ बनाता है, जिससे वे असामान्यता की स्थिति में रहते हैं। इसके अलावा, कुछ व्यक्ति कल्पित परिदृश्यों के दायरे में चले जाते हैं, झूठ को महत्व देते हैं और अपने मन के भीतर खुद की बनाई गई कल्पनाओं के खिलाफ लड़ाई में शामिल होते हैं।

2. आलस्य :

उत्पादकता के अवसरों की बहुतायत और गतिविधि को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल परिस्थितियों की उपस्थिति के बावजूद, कुछ व्यक्ति आलस्य का सहारा लेते हैं। वे अपनी निष्क्रियता के लिए बाहरी कारकों जैसे दूसरों को दोष देना या अपने जीवन में घटित विशिष्ट घटनाओं को जिम्मेदार ठहराते हैं, जिससे उनके दिन भर सुस्ती का चक्र चलता रहता है।

3. विशिष्ट आनुवंशिक रोग :

कुछ परिवारों में, विशिष्ट बीमारियों या वंशानुगत मुद्दों की विरासत पीढ़ियों से चली आ रही है, जो बार बार दोहराई जाती है जो पारिवारों में वंशानुसार चली आती है।

4. बार-बार गर्भपात और बांझपन :

दोनों ही रोपण और खेती के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किए गए पड़ोस के भूखंडों में एक अलग ही विरोधाभास उभरता है। जहाँ एक भूखंड भरपूर मात्रा में फलता-फूलता है, वहीं दूसरा बंजर रहता है, समान परिस्थितियों और खेती के तरीकों को साझा करने के बावजूद भरपूर फसल देने में विफल रहता है।

इसी तरह, कुछ स्त्रियां शारीरिक रूप से स्वस्थ होने के बावजूद उन्हें बार-बार गर्भपात का सामना करना पड़ता है। अन्य बिना किसी स्पष्ट कारण के गर्भधारण करने में संघर्ष करती हैं, जबकि कुछ स्वास्थ्य समस्याओं या आनुवंशिक विकारों वाले बच्चों को जन्म देती हैं।

5. विवाह में देरी और टूटी हुई शादी :

इसके अलावा, विवाह में देरी और टूटी हुई शादी जैसी समस्याएं कुछ व्यक्तियों को परेशान करती हैं। अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, कुछ अविवाहित रहते हैं, जबकि जोड़े खुद को सामंजस्यपूर्ण संबंध बनाए रखने में असमर्थ पाते हैं और अंततः तलाक का विकल्प चुनते हैं। सहनशीलता की कमी और कानूनी हस्तक्षेप की इच्छा की कमी अक्सर व्यक्तिगत समस्याओं और बेईमान वकीलों द्वारा वित्तीय शोषण के चक्र को जन्म देती है।

6. व्याप्त गरीबी और असफलताएं :

प्रचलित गरीबी और निरंतर असफलताएं कुछ व्यक्तियों को पीड़ित करती हैं जो खुद को कठिनाई और निराशा के चक्र में फंसा हुआ पाते हैं। यह अथक चक्र निराशा की ओर ले जा सकता है, जीवन को निरर्थक बना सकता है और आत्महत्या के विचारों को प्रेरित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, कुछ व्यक्ति विपदाओं को अपनी ओर खींचते हैं, अपने जीवन में बार-बार दुर्घटनाओं का सामना करते हैं।

2. शाप ने मानवजाति को कैसे प्रभावित किया?

नीतिवचन 26:2 के अनुसार, **...वैसे ही व्यर्थ शाप नहीं पड़ता।**

ये चिन्ह शाप की उपस्थिति के मार्मिक चिन्होंके रूप में कार्य करते हैं, जो व्यक्तियों के जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्रकट होने वाले कष्ट और विपत्ति की कहानी बुनते हैं।

1. परमेश्वर की आज्ञा न मानने से शाप प्रकट होते हैं :

....Contd. to page 6

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
रेसिडेन्शल कॉलेज, चेन्नई।

माध्यमः हिन्दी

सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 54 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान

योग्यता 10 वी या अधिक

Diploma in Theology

Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org
★ ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध हैं ★

महान आदेश के भागी

✵ भार उठना (गलातियों ६:२), ✵ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ✵ चमकाना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

From August 19 To September 18, 2024

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

19 सितंबर : हमें अपनी पत्रिका को 16 भाषाओं में अपने प्रिंटिंग प्रेस में छापने और प्रकाशित करने तथा मिशन क्षेत्रों में भेजने में सक्षम बनाने के लिए।

20 सितंबर : हमारे एको ऑफ़ हिज़ कॉल यूट्यूब मीडिया सेवकाई के 5 मिनट के संदेशों के कारण हमें गवाहियों द्वारा आशीषित करने के लिए।

21 सितंबर : हमारे सेंट पॉल्स मैट्रिकुलेशन स्कूल, नहेम्या बाइबल कॉलेज और बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रमों पर उसकी आशीष के लिए।

22 सितंबर : समर्पित सहयोगी संपादकों के साथ हमारी सेवकाई को आशीष देने के लिए जो एको ऑफ़ हिज़ कॉल पत्रिका सेवा की सहायता करते हैं।

23 सितंबर : मुख्य चर्च और शाखा चर्चों में हमारी रविवार की सेवाओं में परमेश्वर के वचन की सामर्थ के लिए।

24 सितंबर : हमारे सुसमाचार मुद्रण प्रेस और कुशल श्रमिकों के साथ इसके निरंतर संचालन के लिए।

25 सितंबर : हमारे एको ऑफ हिज कॉल सेवकाई को अगस्त २०२४ में अपने 56वें ध्वर्ष में प्रवेश करने हेतु आशीष देने के लिए।

26 सितंबर : हमारे प्रार्थना भागीदारों, सदस्यता भागीदारों, विश्वास भागीदारों, जीवन भागीदारों और महान आयोग भागीदारों और उनके परिवारों के प्रति उसकी दया के लिए।

27 सितंबर : हमारे बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम और ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम के विकास के लिए।

28 सितंबर : वरिष्ठ पादरी और विविध सेवाओं के माध्यम से सुसमाचार का प्रचार करने की उनके समर्पण के लिए।

29 सितंबर : हमारे एको ऑफ हिज कॉल सेवकाइयों के कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा के लिए।

30 सितंबर : हमारी कलीसिया में नए विश्वासियों के साथ आशीष प्राप्त हो इसके लिए।

01 अक्टूबर : मिशन कार्यकर्ताओं के महान समर्पण के लिए।

02 अक्टूबर : हमारे वरिष्ठ पादरी एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार को ईश्वरीय सुरक्षा और अच्छे स्वास्थ्य की आशीष देने के लिए।

03 अक्टूबर : हमारे नहेम्याह बाइबल कॉलेजों को वर्तमान शैक्षणिक वर्ष के दूसरे सत्र में प्रवेश करने के लिए आशीर्वाद देने के लिए।

कृपया प्रार्थना करें

04 अक्टूबर : हर शराबी और बुरे कर्म करने वाले पश्चाताप करने के लिए तत्पर हो।

05 अक्टूबर : दुनिया में सभी महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए।

06 अक्टूबर : एको ऑफ़ हिज़ कॉल के युवा और सुसमाचार सेवकाई के लिए।

07 अक्टूबर : हमारे वरिष्ठ पादरी एस. सैम सेल्वा राज और उनके परिवार के स्वास्थ्य के लिए।

08 अक्टूबर : परमेश्वर हमें भारत के वंचितों तक पहुंचने में सक्षम बनाए।

09 अक्टूबर : हमारी सिंहल पत्रिका टीम की बहन मंजुला का हाल ही में हुई स्वास्थ्य समस्याओं से पूर्ण चंगाई के लिए।

10 अक्टूबर : हमें पृथ्वी पर परमेश्वर के राज्य का निर्माण करने के लिए केंद्रित दृष्टिकोण के लिए।

11 अक्टूबर : हाल ही में हुए भूस्खलन के बाद दक्षिण भारत के केरल के वायनाड में सामान्य स्थिति की वापसी के लिए।

12 अक्टूबर : हमारे सहयोगी और राज्य समन्वयक तथा उनके परिवारों के लिए।

13 अक्टूबर : सभी देशों की एकता और शांति के लिए।

14 अक्टूबर : हमारे सुसमाचार मुद्रण प्रेस पर आशीष के लिए।

15 अक्टूबर : हमारी सेवकाई के विस्तार और सुसमाचार के विश्वव्यापी प्रचार के लिए।

16 अक्टूबर : दुनिया के विभिन्न भागों में आर्थिक मंदी का अंत हो।

17 अक्टूबर : दबे-कुचले लोगों के आर्थिक उत्थान के लिए।

18 अक्टूबर : परमेश्वर सभी देशों को परमेश्वर से डरने वाले नेताओं से आशीषित करें।

पृष्ठ 4 से आगे:...

मानव जाति के अस्तित्व के शुरुआती दिनों से ही परमेश्वर का शाप मौजूद है, हमारे पूर्वजों, आदम और हव्वा के समय में परमेश्वर का क्रोध अदन की वाटिका में प्रकट हुआ। शुरू में आशीष दिए जाने के बावजूद, उनकी अवज्ञा ने मानव जीवन में शापों की शुरूआत की।

उन्हें बगीचे के सभी पेड़ों के फलों का आनंद लेने की अनुमति थी, सिवाय एक विशेष पेड़ के। हालाँकि, शैतान की सलाह से प्रभावित होकर, उन्होंने वह फल खाया जिसे परमेश्वरने मना किया था। आदम द्वारा अवज्ञा के इस कार्य के परिणामस्वरूप परमेश्वर का शाप उन पर प्रकट हुआ। इस घटना का विवरण उत्पत्ति २:१५ से ३:२४ में पाया जा सकता है।

हम संसार के लोगों को घोषणा करते हैं कि यीशु मसीह मानवजाति का उद्धारकर्ता है। उसका जन्म एक प्रलेखित ऐतिहासिक घटना है, जैसा कि उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान है। हम प्रचार करते हैं कि प्रभु यीशु मसीह के द्वारा, हमारे पापों की क्षमा मिलती है, और लोगों को उसकी सन्तान बनने के लिए उसे अपनाना है। शुरुआत में, व्यक्ति को परमेश्वर के राज्य और उसकी धार्मिकता की खोज करनी चाहिए, जिसके बाद सांसारिक आशीषें मिलेंगी। हम विभिन्न तरीकों से धार्मिक जीवन जीने और अधर्म के कामों से बचने के बारे में शिक्षित करते हैं। लाखों लोगों द्वारा इस ईश्वरीय संदेश को सुनने के बावजूद, केवल कुछ ही लोग वास्तव में इसका पालन करते हैं, यीशु मसीह को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करते हैं, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा लेते हैं, और पवित्र आत्मा द्वारा मार्गदर्शन पाते हैं।

इसके अतिरिक्त, हम मसीहियों से कहते हैं कि उन्हें मसीह की शिक्षाओं का पालन करना है, उसके जीवन के मार्गों का अनुकरण करना है और उसकी सेवा करना है। हालाँकि आप सुन सकते हैं, लेकिन इन शिक्षाओं को व्यवहार में लाने में अक्सर हिचकिचाहट होती है। कलीसिया एक पवित्र स्थान है जहां प्रवेश करते समय आराधना करना अनिवार्य है। गिरजाघर में प्रवेश करना आराधना पर केंद्रित मानसिकता के साथ, अशुद्ध विचारों और गुप्त उद्देश्यों से रहित होना महत्वपूर्ण है। आराधना के अनुभव में किसी भी तरह के विकर्षण या व्यवधान से बचने के लिए अपने मोबाइल फोन को बंद करना याद रखें।

कलीसिया में पहनावा और व्यवहार :

कृपया शालीनता और सभ्यता के साथ वस्त्र परिधान करें, ऐसे कपड़े पहनने से बचें जो दूसरों में अनुचित विचार पैदा कर सकते हैं। ऐसे कार्यों से बचें जो अनुचित संबंधों को जन्म दे सकते हैं। पुरुषों को सलाह दी जाती है कि वे अपने बालों को महिलाओं की तरह बहुत लंबा न रखें, जबकि महिलाओं को पुरुषों की तरह बहुत छोटे हेयरस्टाइल न अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। कलीसिया की आराधना के लिए समय पर पहुंचें और आयोजित आराधना के प्रति श्रद्धा दिखाते हुए अंत तक रहें। ये कार्य प्रभु को प्रसन्न करते हैं।

प्रचार के प्रति दृष्टिकोण :

कुछ व्यक्ति ऐसी शिक्षाओं की सराहना नहीं कर सकते हैं, वे ऐसी कलीसियाओं को प्राथमिकता देते हैं जो अधिक उदार जीवन शैली का समर्थन करते हैं।

वे बड़ी भीड़ वाली मंडलियों की तलाश करते हैं जहां वे बिना किसी की नज़र में आए घुलमिल सकें और अपनी मर्ज़ी से जी सकें।

धार्मिकता से भटकने के परिणाम :

नैतिक दिशा-निर्देशों के विपरीत जीवन जीने से यह सवाल उठता है कि परमेश्वर अपनी अप्रसन्नता को कैसे रोक सकते हैं।

इस विचलन के परिणामस्वरूप बहुत से विश्वासी अगुवों में दूरदर्शिता, चमत्कारी घटनाओं और प्रामाणिक आत्मिक भेटों की कमी होती है। कई कथित विश्वासियों में भी वास्तविक उद्धार के अनुभवों की कमी होती है।

कलीसियाओं में मौजूदा परिस्थितियाँ ईश्वरीय प्रतिशोध के परिणामों को प्रतिबिम्बित करती हैं।

2. खुद लाए गए शाप :

नीतिवचन 6:2 का उदाहरण देते हुए, आप अपने ही मुंह के शब्दों से फंस गए हैं;.. किसी के जीवन पर बोले गए शब्दों के प्रभाव को दर्शाता है।

लंबे समय तक न जीने की इच्छा या आत्महत्या के बारे में सोचने जैसी घोषणाओं के गंभीर परिणाम हो सकते हैं, भले ही वे मज़ाक में या दूसरों को डराने के लिए की गई हों।

ऐसे बयान देने के बाद कई व्यक्तियों की दुखद मृत्यु हो गई है।

कुछ घरों में, पति अपनी पत्नियों के खाना पकाने की आलोचना कर सकते हैं, दिए गए भोजन की गुणवत्ता के बारे में चिंता व्यक्त कर सकते हैं, यहां तक कि यह सुझाव भी दे सकते हैं कि इसे खाने से उनकी मृत्यु हो सकती है। यह पहचानना आवश्यक है कि जो व्यक्ति इस तरह से बोलते हैं, वे अनिवार्य रूप से अपने जीवन की प्रत्याशा स्वयं निर्धारित कर रहे हैं। इसी तरह, कुछ माता-पिता अपने बच्चों की तुलना पड़ोस में रहने वाले उनके साथियों से करने लगते हैं, अपने बच्चों को नीचा दिखाने के लिए चोट पहुंचाने वाले शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। यह हानिकारक व्यवहार न केवल बच्चे के आत्मसम्मान को प्रभावित करता है, बल्कि उनके जीवन में नकारात्मक परिणामों को भी आमंत्रित करता है।

प्रेरित पतरस ने अपने जीवन में ऐसी ही स्थिति का सामना किया, जैसा कि मरकुस 14:66–72 में दर्शाया गया है। महायाजक के आंगन में रहते हुए, पतरस ने तीन अलग-अलग मौकों पर यीशु के साथ अपने संबंध को अस्वीकार कर दिया। अपने अंतिम इनकार के दौरान, उसने यीशु को अस्वीकार करने के लिए शाप और शपथ का भी सहारा लिया। इस लापरवाह व्यवहार के परिणामस्वरूप खुद पर लगाया गया शाप आया। बाद में पश्चाताप करने और अपने कार्यों के लिए गहरा पश्चाताप व्यक्त करने के बावजूद, पतरस ने अनजाने में अपने शब्दों के परिणामों को खुद पर लाद लिया था।

तीन दिन बाद एक ज्ञानवर्धक क्षण

आया जब यीशु की कब्र पर जाने वाली स्त्रियों की मुलाकात परमेश्वर के एक दूत से हुई, जिसने उन्हें पतरस सहित शिष्यों को यह बताने की आज्ञा दी कि यीशु जी उठा है और गलील में उनसे मिलेगा (मरकुस 16:7)। यह घटना पतरस के शब्दों के नतीजों पर प्रकाश डालती है, क्योंकि अब उसे यीशु के चेले के रूप में स्वीकार नहीं किया गया था। अपने स्वयं के शब्दों और कार्यों के माध्यम से, पतरस ने यीशु मसीह के चेले के रूप में पहचाने जाने के विशेषाधिकार को खो दिया था।

अपनी असीम दया और अनुग्रह से, यीशु पतरस से मिलने और उसे अपने चेले के रूप में फिर से बदलने के लिए गलील की झील पर गया। पतरस ने यीशु को तीन बार नकारा था, यही कारण है कि यीशु ने उससे तीन बार पूछा, "पतरस, क्या तू मुझसे प्रेम करता है?" (यूहन्ना 21:15–17)। हालाँकि पतरस ने उत्तर दिया, "हां, प्रभु, तू जानता है कि मैं तुझसे प्रेम करता हू," लेकिन जब यीशु ने उससे तीन बार पूछा तो वह दुखी हो गया। हालांकि, उसे एहसास नहीं हुआ कि यीशु उसे अपने प्रेम को तीन बार स्वीकार करवाकर उसके तीन इनकारों को रद्द कर रहा था। ऐसा करके, यीशु ने पतरस से तीन बार इनकार करने का पाप कबूल करवाया, इस प्रकार उसे चेले के रूप में पुनः स्थापित किया। इस्राएली लोगों ने यीशु की शिक्षाएं सुनीं, लेकिन उन्हें स्वीकार नहीं किया। जब यीशु को पिलातुस के सामने लाया गया, तो उसने यीशु में कोई पाप नहीं पाया और उसे रिहा करना चाहता था। हालांकि, उस समय के यहूदियों ने चिल्लाया, "उसे क्रूस पर चढ़ाया जाए... उसका खून हम पर और हमारी संतानों पर हो" (मत्ती २७:२२, २५)। अपने स्वयं के शब्दों के द्वारा, यहूदियों ने खुद पर एक शाप लाया। इतिहास दर्ज करता है कि एक पीढ़ी के भीतर, रोमी सेना ने यरूशलेम पर कब्जा कर लिया, और अब भी, यहूदी दुनिया भर में बिखरे हुए हैं।

3. जीवित परमेश्वर के बराबर मूर्तियां बनाना शाप को आमंत्रित करता है :

"तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना, जो आकाश में, या पृथ्वी पर, या पृथ्वी के जल में है। तू उनको दण्डवत् न करना, और न उनकी उपासना करना; क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर यहोवा जलन रखने वाला परमेश्वर हूं, और जो मुझ से बैर रखते हैं, उनके बेटों, पोतों, और परपोतों को भी पितरों का दण्ड दिया करता हूं।" निर्गमन 20:4,5

हम समझते हैं कि जो लोग जीवित परमेश्वर के साथ मूर्तियों की तुलना करते हैं, वे परमेश्वर के शत्रु बन जाते हैं। ये लोग दुस्साहसपूर्वक परमेश्वर की तुलना सांपों, बंदरों और हाथियों जैसे घृणित प्राणियों से करते हैं। तुच्छ और नाशवान प्राणियों की तुलना करके, सर्वशक्तिमान परमेश्वर, ईश्वरों के ईश्वर और राजाओं के राजा को नीचा दिखाकर, वे परमेश्वर के क्रोध को भड़काते हैं, जो मूर्तिपूजकों की तीसरी और चौथी पीढ़ी तक दण्ड देने वाला है।

मुझे और विस्तार से बताने की अनुमति दें। जब आप किसी नेता को माला भेंट करके सम्मानित करना चाहते हैं, तो क्या आप उस माला को बंदर की मूर्ति पर रखेंगे? ऐसा करना निश्चित रूप से उस व्यक्ति का अपमान होगा जिसे आप आदर देना चाहते हैं। कृपया इस पर विचार करें। बाइबल हमें निर्देश देती है, **इस कारण, हे मेरे प्रियो, मूर्तिपूजा से बचे रहो।** 1 कुरिन्थियों 10:14। परमेश्वर की इस आज्ञा की अवहेलना करने से निस्संदेह आप पर शाप आएगा। इस पर चिंतन करें और निर्णय लें।

4. यदि आप अपने पिता और माता का सम्मान करने की उपेक्षा करते हैं, तो आप शाप के भागी होंगे

"तू अपने पिता और अपनी माता का आदर करना, जिससे जो देश तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे देता है उसमें तू बहुत दिन तक रहने पाए। निर्गमन 20:12। इस वचन का तात्पर्य है कि अपने माता-पिता का सम्मान न करने से इस संसार में तेरा जीवनकाल छोटा हो जाएगा। जब परमेश्वर हमारे "दीर्घायु" की बात करता है, तो वह संकेत देता है कि वह हमें संतोषजनक वित्त, अच्छा स्वास्थ्य, एक सामंजस्यपूर्ण परिवार और मन की शांति प्रदान करेगा। केवल इन आशीषों के साथ ही हम वास्तव में एक लंबा और सन्तुष्टिपूर्ण

एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य पाने का सुअवसर

यदि आप डाक, डाक, पत्र, ईमेल, वॉट्स ॲप या फोन द्वारा हमें मित्रों/रिश्तेदारों के पते भेजेंगे तो हम उन्हें एको ऑफ हिज़ कॉल मासिक पत्रिका विनामूल्य भेजेंगे।

कर में छूट (TAX EXEMPTION)

किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा "एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट" को दिया गया दान आयकर कानून की धारा ८० जी. के तहत कर मुक्त माना जाता है। इसके लिए अधिकृत रसीद दी जाएगी। दानदाताओं से निवेदन है कि वे अपने चेक तथा ड्राफ्ट **"एको ऑफ हिज़ कॉल एज्युकेशनल ट्रस्ट"** के नाम पर आपके आधार कार्ड और पैन कार्ड के साथ भेज दें।

Account Name	:	ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST
Account Number	:	1023 2923 805
Bank Name	:	STATE BANK OF INDIA
Branch	:	TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005
IFSC Code	:	SBIN 0000249
SWIFT Code	:	SBI NIN BB 455

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

परमेश्वर ने चमत्कार किया!

मैं दक्षिण भारत के शहर ऊटी में अंतिम दिन की बैठक की तैयारी कर रहा था, जब मुझे वेल्लोर में रहने वाले मेरे दोस्त की पत्नी का एक निराशाजनक फोन आया। उसने रोते हुए मुझे बताया, "प्रिय भाई, मेरे पति, सैमुअल जयशीलन को सीने में दर्द हो रहा है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पहले ही दिल की सर्जरी हो चुकी है, इसलिए वे एक और ऑपरेशन करवाने के लिए बहुत कमज़ोर हैं। कृपया तुरंत यहां आएं।" उसी रात, मैं वेल्लोर के लिए रवाना हुआ और अस्पताल पहुंचा तो पाया कि मेरे दोस्त की सर्जरी की तैयारी की जा रही थी, उसे ऑपरेशन थियेटर में ले जाया जा रहा था। बहुत दुखी होकर, मैंने अपना हाथ उसके सिर पर रखा और प्रार्थना की, "हे परमेश्वर, इस बार मेरे दोस्त को सर्जरी से बचाओ। उसे चमत्कारिक रूप से चंगाई प्रदान करिए।" उपस्थित डॉक्टरों की संदेहपूर्ण और हतोत्साहित करने वाली टिप्पणियों के बावजूद, मैं अपने विश्वास में दृढ़ रहा। मैं अपने दोस्त के पास तब तक रहा जब तक उसे ऑपरेशन थियेटर में नहीं ले जाया गया, उसके आस-पास परिवार के सदस्य थे जो उम्मीद खो चुके थे। जब मैं थिएटर के बाहर खड़ा था, मैंने उस पर भरोसा रखते हुए, दिल से प्रार्थना की। एक घंटे बाद, डॉक्टर थिएटर से बाहर आए, और मैंने उत्सुकता से पूछा, "डॉक्टर, मेरा भाई कैसा है?" मुझे आश्चर्य हुआ, उन्होंने उत्तर दिया, "सर्जरी की कोई आवश्यकता नहीं है। एक कमजोर वाल्व है जिसे दवा से ठीक किया जा सकता है।" परमेश्वर ने मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर दिया था, सर्जरी की आवश्यकता के बिना मेरे दोस्त को चंगाई प्रदान की। परमेश्वर की स्तुति हो, जो हमारे जीवन में ऐसे आश्चर्यकर्म करता है।

जीवन जी सकते हैं।

आज की पीढ़ी अक्सर अपने वृद्ध माता-पिता की देखभाल के महत्व को अनदेखा कर देती है, उन्हें आशीष के बजाय बोझ के रूप में देखती है। फलतः, कई वृद्धआरामदायक सुविधाओं में रहने के बावजूद खुद को 'वृद्धाश्रम' में धकेला हुआ पाते हैं। माता-पिता और उनके बच्चों के बीच संघर्ष होना असामान्य नहीं है, खासकर आत्मिक मामलों को लेकर, जिसमें पुरानी पीढ़ी के पास कभी-कभी शिक्षा की कमी होती है और वे युवा पीढ़ी के विकल्पों को समझने में विफल हो जाते हैं। किसी भी असहमति या बाधा के बावजूद, युवा व्यक्तियों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपने माता-पिता की लगन से देखभाल करें, उनके प्रति प्रेम और सम्मान प्रदर्शित करें। इस कर्तव्य की उपेक्षा करने से व्यक्ति के जीवन में आशीष की हानि हो सकती है।

5. परमेश्वर की कलीसिया के खिलाफ काम करना शाप को आमंत्रित करता है :

यदि कोई परमेश्वर के मन्दिर को नष्ट करेगा तो परमेश्वर उसे नष्ट करेगा... 1 कुरिन्थियों 3:17। **तुम न यहूदियों, न यूनानियों, और न परमेश्वर की कलीसिया के लिये ठोकर के कारण बनो।** 1 कुरिन्थियों 10:32।

कलीसिया से संबंधित शिक्षा गहन और अर्थपूर्ण हैं। संत पौलुस यह कहकर इसे स्वीकार करता है कि **यह भेद तो बड़ा है...**इफिसियों 5:32। इफिसियों 5:26–27 में लिखा है, कि **उसको वचन के द्वारा जल के स्नान से शुद्ध करके पवित्र बनाए, और उसे एक ऐसी तेजस्वी कलीसिया बनाकर अपने पास खड़ी करे, जिसमें न कलंक, न झुर्री, न कोई और ऐसी वस्तु हो वरन् पवित्र और निर्दोष हो..** . इसी उद्देश्य से मसीह ने खुद को बलिदान कर दिया। यीशु ने खुद घोषणा की, **मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊँगा, और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।** मत्ती 16:18। यह प्रभु परमेश्वर का उसकी कलीसिया के प्रति असीम प्रेम को दर्शाता है, जैसा कि उसके अपने लहू की कीमत से साबित होता है।

लेकिन कुछ लोग परमेश्वर की कलीसिया के बारे में बुरा-भला कहते हैं, कुछ लोग चर्च की संपत्ति लूटते हैं और कुछ लोग कलीसिया के सिद्धांतों को कम आंकते हैं और कठोर आलोचना करते हैं। परमेश्वर के कुछ बच्चे हैं जो परमेश्वर के लिए आत्माओं को बचाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन कुछ दुष्ट व्यक्ति उनकी कलीसिया में प्रवेश करते हैं, नए विश्वासियों को भ्रमित करते हैं, और उन्हें कलीसिया से दूर ले जाकर अपनी खुद की कलीसिया स्थापित करते हैं। ऐसे लोग परमेश्वर की सेवा नहीं करते; इसके बजाय, वे आत्माओं को भ्रष्ट करते हैं। कुछ लोग लोकप्रियता हासिल करने के लिए अपनी कलीसिया के बारे में गलत जानकारी फैलाने में संकोच नहीं करते। परमेश्वर ऐसे

उपहास करने वालों को बर्दाश्त नहीं करेगा। वह निश्चित रूप से कहेगा, "मैं ने तुम को कभी नहीं जाना। हे कुकर्म करनेवालो, मेरे पास से चले जाओ।" मत्ती 7:23 यह कितना दुष्टतापूर्ण होगा!

इस प्रकार परमेश्वर उस किसी को भी दण्ड देता है जो उसकी कलीसिया और परमेश्वर के अभिषक्त दासों का जिसे उसने उसकी सेवा के लिए बुलाया है, विरोध करते हैं। यह सज़ा आजीवन की होती है, और शाप पीढ़ी दर पीढ़ी चलते हैं। इसे विश्व के इतिहास में और बाइबल के इतिहास में सत्यापित किया गया है।

यहां कुछ उदाहरण हैं :

1. गेहजी एलीशा भविष्यद्वक्ता का सेवक था। एलीशा अरामी सेना के सेनापति नामान को कोढ़ से चंगा करने के लिए ज़िम्मेदार था। परंतु, क्योंकि नामान ने अपने स्वामी की इच्छा के विरोध में जाकर नामान से ईनाम लिया और अपने स्वामी को धोखा दिया, वह कोढ़ से शापित हो गया और उसे परमेश्वर की उपस्थिति त्यागनी पड़ी। उसके वंशजों को भी विरासत में यह शाप मिला। इस घटना को 2 राजा 5:20–27 में प्रलेखित किया गया है।

2. हनन्याह और उसकी पत्नी सफीरा ने अपनी संपत्ति प्रभु की सेवकाई के लिए धन देने के इरादे से बेची। हालांकि, पतरस से सच्चाई छिपाने के कारण, उन्हें अचानक मौत का सामना करना पड़ा (प्रे. काम 5:1–10)।

परमेश्वर ने उन व्यक्तियों, सरकारों और यहां तक कि राज्यों पर भी विनाश लाया है जिन्होंने उसकी कलीसिया और उसके सेवकों को धोखा दिया है और उनके खिलाफ़ काम किया है। जो लोग परमेश्वर के सच्चे सेवकों को नुकसान पहुंचाते हैं और उन्हें पीड़ा पहुंचाते हैं, जिन्हें उसके झुंड की देखभाल करने के लिए बुलाया गया है, उन्हें उसकी सज़ा का सामना करना पड़ेगा।

अपने व्यक्तिगत अनुभव में, मैंने इसे प्रत्यक्ष रूप से देखा है। सेवकाई में मेरे शुरुआती दिनों में, कुछ व्यक्तियों को लगता था कि वे बिना किसी परिणाम के मुझ पर आरोप लगा सकते हैं। उन्होंने मेरे सरकारी कार्यालय में प्रवेश किया, अनुचित शिकायतें कीं और मेरे वरिष्ठों से मेरे बारे में बुरा-भला कहा। उन्होंने मुझ पर उंगली उठाई, मेरे और मेरी सेवकाई के बारे में झूठ फैलाया, जिससे मुझे बहुत तकलीफ़ हुई। हालाँकि, परमेश्वर मेरे साथ खड़ा रहा और उनके जीवन में गिरावट आई। कुछ अब पागलपन में सड़कों पर भटकते हैं, अन्य लोग कंगाली में गिर गए हैं, और उनके कई वंशज विकलांगता से पीड़ित हैं।

हाल ही में, हमारी वर्तमान कलीसिया के आस-पास रहने वाले लोगों ने मेरे लिए अशांति और मानसिक पीड़ा उत्पन्न करने का प्रयास किया है, कुछ ने शारीरिक आक्रामकता का भी सहारा लिया है।

वे मुझे हमारी कलीसिया के सामने अपना वाहन पार्क करते हुए नहीं देख सकते थे। उनके तकलीफ़दायक व्यवहार के कारण, मुझे परमेश्वर के कार्य के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मिनीबस को बहुत कम कीमत पर बेचना पड़ा। वे व्यक्ति पुरानी बीमारियों से पीड़ित थे और जल्दी ही मर गए। कुछ लोगों ने अपने परिवारों के भीतर तीव्र संघर्ष का अनुभव किया, जिसके कारण उन्हें अपना घर छोड़कर कहीं और जाना पड़ा। बड़े संयुक्त परिवारों के सदस्यों को कई चुनौतियों और असफलताओं का सामना करना पड़ा, जिससे उन्हें अपनी संपत्ति बहुत कम कीमतों पर बेचने और हमारे क्षेत्र से जाने के लिए मज़बूर होना पड़ा। एक समय जो परिवार एकजुट था, अब बिखर गया है, और प्रत्येक सदस्य शहर के अलग-अलग हिस्सों में स्थानांतरित हो गया है। फलतः, अब यहां हमारी सेवकाई का विरोध करने वाला कोई नहीं है। इसके लिए कौन जिम्मेदार है, और इसके पीछे कारण क्या है?

कृपया इस पर विचार करें।

शाप से आशीष की ओर संक्रमण के लिए सात आज्ञाएं :

1) प्रभु यीशु मसीह में अपने विश्वास को स्वीकार करें और उसके द्वारा आपके लिए किए गए बलिदान को स्वीकार करें।
2) पश्चाताप करें, अपने हठीले और पापी तरीकों को त्यागें और बपतिस्मा लें।
3) उन लोगों को क्षमा करें जिन्होंने आपके साथ गलत किया है।
4) शैतानी प्रभावों और मूर्ति पूजा से जुड़ी सभी प्रथाओं से खुद को पूरी तरह से दूर रखें।
5) यीशु मसीह द्वारा दी गई क्षमा पर भरोसा करें और पूरी तरह से उन पर निर्भर रहें। उसके लहू के द्वारा उसकी क्षमा और छुटकारे की खोज करें।
6) ऐसी कलीसिया की आराधना में भाग लें जहां लोग आत्मा और सच्चाई से यीशु मसीह की आराधना करते हैं। आप अपने घर के नज़दीक कोई कलीसिया चुन सकते हैं। यीशु मसीह से जुड़े रहें और कलीसिया औश्र पास्टर से जुड़ें।
7) नियमित रूप से बाइबल पढ़ने और प्रार्थना के ज़रिए, विभिन्न तरीकों से प्रभु यीशु मसीह की सेवा करें।

कृपया ध्यान दें!

हम पास्टर एस. सॅम सेल्वाराज के जीवन चरित्र को पुस्तक रूप में प्रकाशित करने के अंतिम चरणों में हैं। हम आपकी गवाहियों के लिए आपसे बिनती करते हैं जो दस वाक्यों की हों, और यह बताएं कि कैसे परमेश्वर ने उनकी सेवकाई के द्वारा आपकी आत्मिक उन्नति को प्रभावित किया है। इसके अलावा, यदि आप आत्मकथा में शामिल करने के लिए अपना एक फोटो दे सकते हैं तो हम इसकी सराहना करेंगे।

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/24-26 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26

एको ऑफ हिज़ कॉल

यू ट्यूब

Please subscribe

कृपया आपके समय के अनुसार हमारा **एको ऑफ हिज़ कॉल यू ट्यूब चैनल** देखें और उसे सब्स्क्राईब करें। - धन्यवाद

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India

(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- **आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-**

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :

ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATION ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/24-26
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/24-26
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th SEPTEMBER, 2024
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by **S. Sam Selva Raj** at **Echo of His Call Printers,** New No. 8 & 10, Old No.18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**